BRAHM DUTT): (a) and (b) The requisite information is given in the Statement attached, [*See* Appendix CXL, Annexure No. 28] Approval of the appropriate authority, including Government, wherever necessary, was accorded for these projects.

(c) Oil Companies including Bharat Petroleum Corporation Limited and Hindustan Petroleum Corporation Limited generally keep projects prepared for their future growth and the essential requirements of the country as a necessary activity. Projects are, however, taken up for execution only when adequate resources are identified. Since the preparation of project reports and their examination is a continuous exercise, no list of such project is readily available.

**Criteria for Selection of Private Parties for Mangalore and Karnal Refineries**

704. SHRI DINKARRAO GOVINDRAO PATIL: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state·

(a) what criteria has been adopted by Government to select private parties who wish to participate in joint sector refineries at Mangalore and Karnal; and

(b) by when a decision is likely to be taken by Government to select the parties in this regard?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI BRAHM DUTT): (a) and (b) Financial capacity, past record of setting up and managing industries, are among the factors taken into account. The selection of a suitable private Co-promoter for the Karnal and Mangalore refineries is still under the consideration of Government.

**बरौनी तेल शोधक कारखाने के निकट पेट्रोरसायन उद्योगों का विकास**

705. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वर्षों की मांग और इस संबंध में सरकार द्वारा दिए गये आश्वासन के बावजूद बिहार के बरौनी तेल शोधक कारखाने पर आधारित पैट्रोरसायन उद्योग अभी तक विकसित नहीं किये गये हैं और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और

(ख) वहां पैट्रोरसायन उद्योग कब तक स्थापित हो जाने की आशा है ?

**उद्योग मंत्रालय में रसायन और पेट्रोरसायन विभाग में राज्य मंत्री (श्री आर० के० जयचन्द्र सिंह)** : (क) और (ख) पैट्रोरसायन परियोजनाओं के स्थलों के बारे में निर्णय तकनीकी आर्थिक आधार पर किया जाता है । भारत सरकार द्वारा बनाई गई स्थल चयन समिति ने मार्च, 1981 में प्रस्तुत की गई अपनी रिपोर्ट में, अन्य बातों के साथ-साथ, यह सिफारिश की थी कि कैप्रोलैक्टम परियोजना तथा एरोमैटिक्स पर आधारित डाउन स्ट्राम एककों की स्थापना के लिए उपयुक्त स्थान बरौनी हो सकता है । तदनुसार, बिहार राज्य, औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड को 50,000 टन प्रतिवर्ष कैप्रोलेक्टैक्म बनाने के लिए बरौनी में एक संयंत्र स्थापित करने हेतु जुलाई, 1985 में एक आशय पत्र जारी किया गया है । बरौनी में एक पैट्रो रसायन कम्पलैक्स स्थापित करने की संभावनाओं का पुनरीक्षण करने के लिए एक कार्यकारी दल भी गठित किया गया है ।

**Damage to ONGC Equipments**

706. SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state·

(a) whether it is a fact that the recent heavy floods in Audhra Pra-